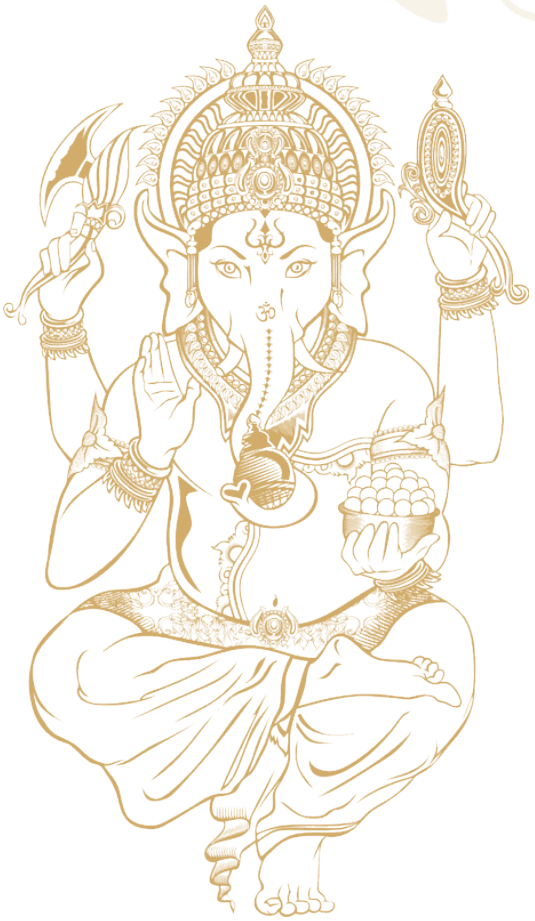

Baheti

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121384702

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
08/08/1996	जन्म तिथि	15/11/1993
गुरुवार	दिन	सोमवार
घंटे 12:20:00	जन्म समय	08:24:00 घंटे
घटी 15:52:49	जन्म समय(घटी)	04:00:47 घटी
India	देश	India
Kekri	स्थान	Sri Dungargarh
25:58:00 उत्तर	अक्षांश	28:05:00 उत्तर
75:09:00 पूर्व	रेखांश	74:00:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:29:24	स्थानिक संस्कार	-00:34:00 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:58:52	सूर्योदय	06:55:48
19:10:39	सूर्यास्त	17:41:18
23:48:39	चित्रपक्षीय अयनांश	23:46:31

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
चन्द्र 5वर्ष 6मा 10दि	15:56:42	तुला	लग्न	वृश्चि	17:01:47	शनि 1वर्ष 4मा 21दि
राहु	22:11:19	कर्क	सूर्य	तुला	28:59:02	शुक्र
17/02/2009	15:57:45	वृष	चंद्र	वृश्चि	15:41:20	08/04/2019
17/02/2027	15:12:39	मिथु	मंगल	वृश्चि	10:27:53	08/04/2039
राहु 31/10/2011	16:13:40	सिंह	बुध व	तुला	12:45:27	शुक्र 07/08/2022
गुरु 26/03/2014	15:04:43	धनु व	गुरु	तुला	07:14:00	सूर्य 07/08/2023
शनि 30/01/2017	07:03:24	मिथु	शुक्र	तुला	13:46:58	चन्द्र 07/04/2025
बुध 19/08/2019	13:14:31	मीन व	शनि	कुंभ	00:08:09	मंगल 07/06/2026
केतु 06/09/2020	15:50:20	कन्या व	राहु	वृश्चि	09:13:57	राहु 07/06/2029
शुक्र 06/09/2023	15:50:20	मीन व	केतु	वृष	09:13:57	गुरु 06/02/2032
सूर्य 31/07/2024	08:14:34	मक व	हर्ष	धनु	25:25:51	शनि 08/04/2035
चन्द्र 30/01/2026	02:00:44	मक व	नेप	धनु	25:10:28	बुध 06/02/2038
मंगल 17/02/2027	06:31:28	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	01:32:45	केतु 08/04/2039

लग्न-चलित

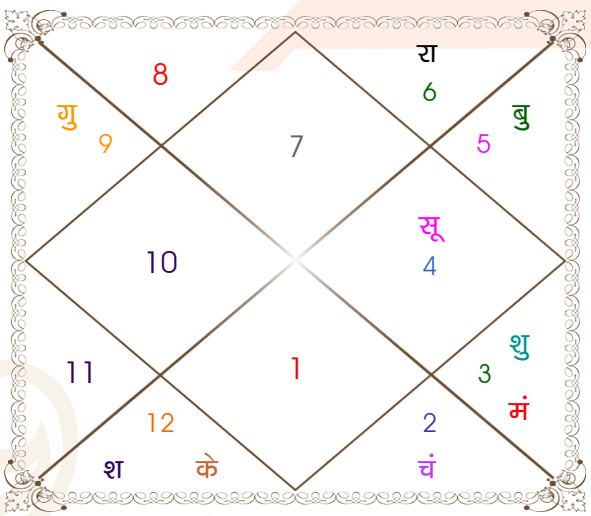

लग्न-चलित

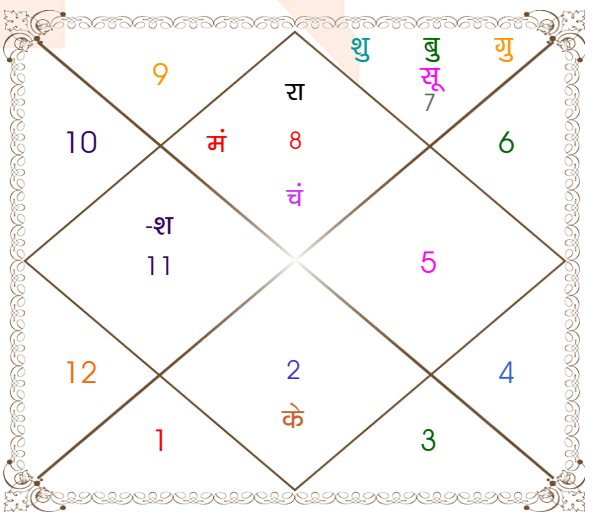

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	कीटक	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	सर्प	मृग	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	मंगल	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	देव	6	5.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृष	वृश्चिक	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	27.50		

Mr. का वर्ग मृग है तथा Baheti का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और Baheti का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में नवम् भाव में स्थित है।

Baheti मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Baheti कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु Baheti कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Mr. कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr. तथा Baheti में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।